ईश्वर प्रत्यभिज्ञा विमर्शिनी

शारदा 70

No 52 B

70

M.K. [illegible]

ईश्वर प्रत्यभिज्ञा

विमर्शिनी

[illegible]

[illegible]

००५

3

पपेदकृष्याग्नपूर्लिङ

गुर्लिभेदनहुभागङत्रिङमृत्र भूर्लि
ङविकल्पङ्कुपङभाएङडेङङ्ग निङ्ग
यङ्ग॥ लि मभ्ठवनग्यं॥ यङ्गु यं॥
कमि त्रभङ्ग भुवेयभ्भङ्ग शुङ॥ भ॥
ङवम॥ भकमङ्गुपनठवङि॥ उङ्ग कभ
गृदिभभ्ठवनंठवङि॥ नमयङ्गु क
मेनकङ्गङं॥ ङम॥ भकमङ्ग कभमिङ्ग
भुभा॥ भभ्ठवनपेङमिवल मेवम॥

१५कमङ्ग

श्रु भुकमङ्गपङ्गविभाएङ॥ मङं॥ भ
कमङ्गङ्ग भुङ्ग भुकमङ्गपङ्गके
मिनङ्ग ङङ्ग कङ्ग शुपेदन॥ भ
कठेमनङ्ग भाग॥ ॥ ॥

भक्रिङ्गुरवठभनभेवन॥ शिङ्ग॥ उभ्ठ
वेकभूपेदनभवठभभभ्ठवेप॥
भकमङ्गुपङ्गभेव॥ नम॥ भकमङ्ग॥
शङ्कुपङ्गमकलठेक॥ येनङ्गिङीयः
भकमा॥ भकभ्भ भुकमा॥ मपेङ्गङ्ग॥
गीङियभ्भ मेपङ्गङवय॥ ठप॥ मपे
न॥ भभ्ठवे विकल्पङ्कुपङ्ग ठप॥ ङ्ग
मङभर भभ्भङ्गङ्गभाङि॥ भूरवभङ्ग
रपनङविकल्पः॥ नङ्गभाएपरि

निविकल्पकाभावं

निभुङ कुपेन्ङ्गभुङ्ग ङ्ग नन॥ भपर्ल
वङ॥ विकल्पेनकङ्गभ॥ भाएङ्ग निमे
पनंक्रियङे॥ नङ्गभाएङ्गकेनमिङ्ग

[illegible]

नभमूलभव्य, भवत्व निर्भणक्रमद
र्ग॥ स्वभावभतिज्ञस्मन, तुक्रम
कल्प, प्रविष्टेमः॥ नीति, यत्रार्थं,
उभय, स्तुत्य स्वपर्य्येपी विकल्प उक्ति॥
प्रवर्त्तके, त्वस्य स्वयं सुकवयेन,
केतु, स्वभेलि, को॥ यस्य स्ववंचविकल्प,
भुजः, स्वजभितिस्तद्विभजः, नतु,
विकल्पउक्ति, नैकस्वयेभद्रव
स्थजः॥ सार्द्रैर्विपिशुत्तुयेवार्थं,
स्वपर, उजः। त्वकभूत्स्वभ
स्वात्उक्तश॥ भवतिश्रुयभ,
भिमवमषिः। भद्रेदेः ॥

[illegible]

[illegible]

कथं भमद्र, उक्तस्तुभेदगा॥ यत्रैष
भवभिद्र पिभूत्स्वभक्षेस्वनन्दत्तु,
भवभूष्कमः भूयियगिनि॥ येन
नीयभूपेदेविकल्पद्र, भवत्, कथं
नभू मितृसयेनद॥ मितुकं भ
ययादिद्र, ठिन्नेषव, वठतिय, मे
केरत्र, वष, भूत्कल्पितेनठभी
वव॥ यभाव्हेन, दभितिविभ
केरत्रपेठ नाग। विकल्पानवभ
भवभूतिषैत्वठभमः॥ स्वद
भिटवभक्षेस्विप॥ स्वनुस्वभयी
यत्र॥ उक्तस्तुयभ्रविसः रविस्व

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

प्रभा, भिक्षुं तं मे, उग्र, रणभक्तेउठं ॥ स्वभक्तवत्सु,
ठितं मे, विभु, तुठ स्व ॥ परविषय, नवणाद्
ना, स्फु नात्, तु रभुत्पु, नवेमस्व, पगीस्फुयन
वमी, ॥ पठिस्व, विभु, पठिवमी, भूयज्ञठ ठे ॥
नवं प्रभा, नपलभक्तेमठ, भुयेसमु ॥ ठस्व ॥
पित्रभा, ठव: प्रभेसूठवे प्रभा, ठवठ ठे ॥
ठनिरभुनि, यघ, पघ, जूभमुभंवठ
नि, न प्रभा, गुरू ॥ ठं, णभयति, ठषेकथ
भप्टवटवृधि ॥ विकल्पेटवठवपठमितिं,
स्फुपयनभूभ ॥ भेवं ॥ यस्फुठ, भूठमा:
नपलभक्त भूठ: पानुकेनठ, निपानुव
ठुनि, रुकमं विभ्रभभूवि

[illegible]

मरुभेनिरठठ, विठ, ठेकीठुठ, निभूभाठ, भुठ
ठठवठेठ, भाथिकनि ॥ नठ, भठपठ, लिव,
ठभूठे, ॥ भावविक, ठुठम:, काठकन ॥ भठ
रवठमर, ठठि, नकिंमिमरवठपा ॥ भावि
मविस्फुनमभनवयठु, पा, मकथ, भठभठ
ठं, विन, कवं, भू, ठिठि, ठमवयति ॥ ट ॥ ठठ,
ठठक, नपलभे, ठठठठम ॥ वलभ, ठकी
कमिठठि, ॥ ठठ, ठवमठ ॥ भाविभुठवठठ,
ठमिठठेठ, नठुपभूयठ ॥ भठे, येवभुवं
विठि: भूभा ॥ भूठ, भठठे, ॥ भव, भठ
वमठठे, मणवं, भेवं, ॥ पठभा ॥
ठठठुठेविधवभूक, मठे, भठे, ठठ, ॥

[illegible]